पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

———————

राज्यपाल ने ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के नैक मूल्यांकन की तैयारियों की समीक्षा की

———————

तैयारियां बेहतर करने के लिए समितियां बनाएं

———————

नैक मानकों के अनुरूप जिम्मेदारियों का विभाजन करें

———————

नैक मंथन कार्यशाला में दिए गए प्रशिक्षण के अनुरूप कमियों को दूर किया जाए

———————

भारतीय संस्कृति को पोषित करने वाले लोक–साहित्य संकलन को विश्वविद्यालय के नवाचार में शामिल करें

———————

केन्द्र पोषित जन कल्याणकारी योजनाओं से आए समाजिक बदलावों को शोध का विषय बनाएं

–श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

लखनऊः 27 अप्रैल, 2022

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां राजभवन स्थित प्रज्ञा कक्ष में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के नैक मूल्यांकन हेतु तैयारियों की समीक्षा की। प्रस्तुतीकरण के दौरान राज्यपाल जी ने अनेक बिन्दुओं पर सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए और कहा कि तैयारियों को बेहतर करने के लिए समितियां बनाकर कार्य किया जाये। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन के लिए नैक के जो मानक निर्धारित हैं उसी के अनुसार सभी बिन्दुओं पर जिम्मेदारियों का विभाजन करते हुए व्यवस्था बनाई जाए।

ज्ञात हो कि नैक द्वारा विश्वविद्यालयों के स्तर का मूल्यांकन 75 प्रतिशत डेटा आधारित तथा 25 प्रतिशत विजिट आधारित होता है। इसके लिए सम्पूर्ण मूल्यांकन की सात श्रेणियों निर्धारित हैं। इस विश्वविद्यालय द्वारा नैक मूल्यांकन के लिए पहली बार प्रयास हेतु तैयारियां की जा रही है। राज्यपाल जी ने हाल ही में 4 एवं 5 अप्रैल, 2022 को लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय नैक मंथन कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए

प्रशिक्षण के अनुरूप कमियों को दूर करते हुए तैयारी को बेहतर करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यशाला इसी उद्देश्य से आयोजित की गई थी कि विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग के आवेदन के सभी नियमों को भली–भांति समझ कर निर्धारित मापदण्डों के अनुसार अपनी तैयारी कर सकें। उन्होंने निर्देश दिया कि यदि आवश्यकता हो तो विश्वविद्यालय के अधिकारी और शिक्षक अवकाश के दिनों में भी कार्य करके नैक मूल्यांकन की तैयारी को बेहतर करें।

विश्वविद्यालय की बेस्ट प्रैक्टिस एवं नवाचार बढ़ाने के बिन्दु पर विशेष चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने भारतीय संस्कृति को पोषित करने वाले लोक साहित्य के संकलन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में बच्चों को सुलाने के लिए मांएं लोरी गाती थीं, विवाह समारोहों के विविध आयोजनों और शुभ मुहूर्तों पर महिलाएं विविध प्रकार के मंगल गीत गाती थीं, जो आधुनिक समाज में विलुप्त होते जा रहे रहे हैं। ऐसे गीतों को विश्वविद्यालय अपने स्तर से संकलित कराने का कार्य करा सकते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के शोध विषयों में भी नवीनता लाने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। ऐसी योजनाओं से उत्पन्न सामाजिक बदलावों को शोध का विषय बनाकर केन्द्र से अच्छी ग्रान्ट भी प्राप्त की जा सकती है।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय द्वारा बेस्ट प्रैक्टिस के तहत गांवों तक जाकर किए गए विविध कार्यों तथा स्वास्थ्य की देखभाल की प्रगति का पुनरावलोकन का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा यदि विद्यार्थी किसी उत्पाद का निर्माण करते हैं तो उसे बिक्री कराकर विद्यार्थियों को उसका लाभ प्रदान किया जाये। उन्होंने विश्वविद्यालय के कार्यों में विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के निर्देश के साथ उनकी अतिरिक्त गतिविधियों में गांवों का इतिहास तैयार कराने का सुझाव दिया।

बैठक में राज्यपाल जी ने अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के साथ–साथ भारत की क्षेत्रीय भाषाओं के पाठ्यक्रमों को बेहतर करने, पाठ्यक्रमों को रोजगारपरक बनाने कि दिशा में सार्थक प्रयास करने के साथ–साथ पुराने छात्रों को संस्थान से जोड़कर प्रगति में उनका योगदान बढ़ाने पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की नैक मूल्यांकन हेतु

यह प्रथम तैयारी है इसलिए अन्य संस्थानों की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर अपने संस्थान को बेहतर बनाने के साथ उच्चतम श्रेणी के लिए प्रयास करें।

प्रस्तुतीकरण की इस समीक्षा बैठक में प्रदेश के उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल महेश गुप्ता, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अलोक कुमार राय, नैक मूल्यांकन तैयारियों के लिए विश्वविद्यालय की टीम के सभी सदस्य तथा समस्त सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

———————

डा0 सीमा गुप्ता/राजभवन (191/11)
सम्पर्क सूत्र– 8318116361